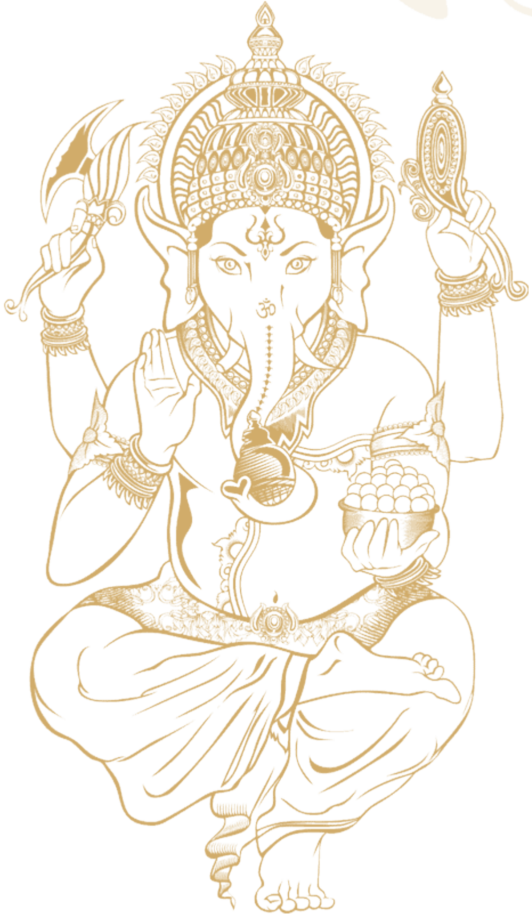

Mr Divyaraj Singh

17 Apr 2004

10:30 PM

Mundra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121258915

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/04/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:02:39 घटी
स्थान	**Mundra**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:50:00 उत्तर
रेखांश	69:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:50:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:00:29 घंटे
साम्पातिक काल	11:23:51 घंटे
सूर्योदय	06:28:56 घंटे
सूर्यास्त	19:12:06 घंटे
दिनमान	12:43:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:05:51 मेष
लग्न के अंश	18:34:14 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:34:14	317:44:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			मेष	04:05:51	00:58:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	12:47:05	12:42:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
मंगल			वृष	23:35:23	00:38:14	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	सम राशि
बुध	व	अ	मेष	02:58:13	00:43:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	15:27:56	00:03:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृष	18:21:20	00:47:09	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मिथु	13:52:53	00:04:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	17:19:10	00:01:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	17:19:10	00:01:39	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:44:42	00:02:25	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:14:17	00:00:58	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	28:10:45	00:00:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			सिंह	26:14:47	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:49

लग्न-चलित

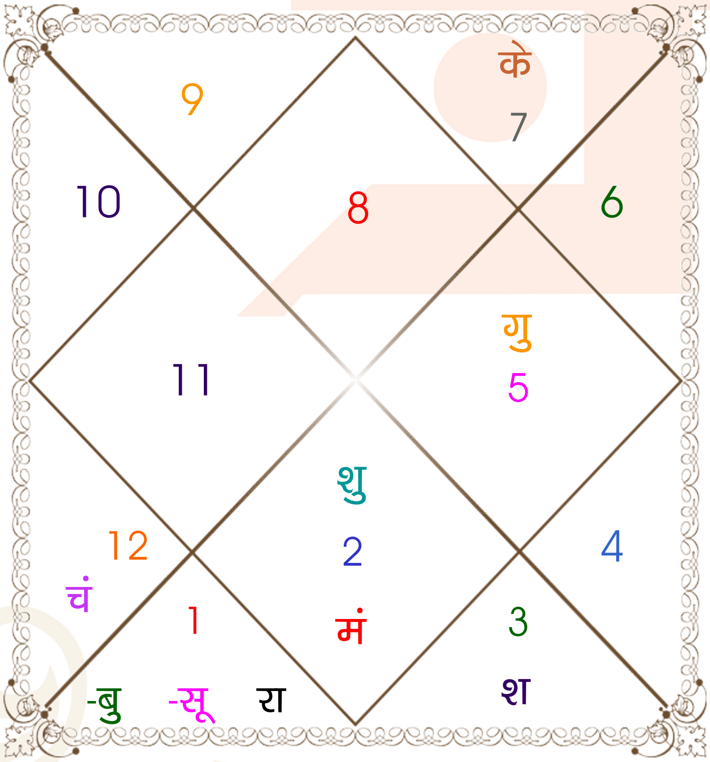

चन्द्र कुंडली

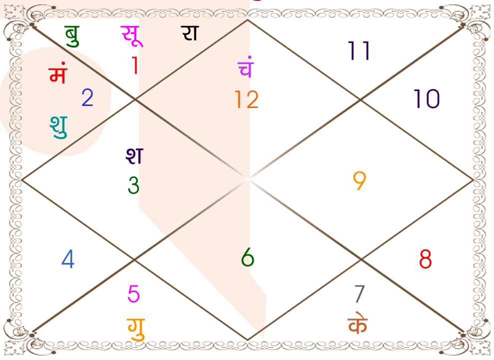

नवमांश कुंडली

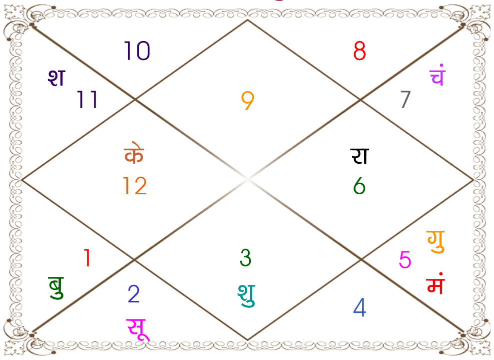

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 6 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/04/2004		29/10/2009		29/10/2026		29/10/2033		29/10/2053	
29/10/2009		29/10/2026		29/10/2033		29/10/2053		29/10/2059	
	00/00/0000	बुध	27/03/2012	केतु	27/03/2027	शुक्र	27/02/2037	सूर्य	15/02/2054
	00/00/0000	केतु	24/03/2013	शुक्र	26/05/2028	सूर्य	28/02/2038	चंद्र	17/08/2054
	00/00/0000	शुक्र	23/01/2016	सूर्य	01/10/2028	चंद्र	29/10/2039	मंगल	23/12/2054
	00/00/0000	सूर्य	28/11/2016	चंद्र	02/05/2029	मंगल	29/12/2040	राहु	17/11/2055
	00/00/0000	चंद्र	30/04/2018	मंगल	28/09/2029	राहु	29/12/2043	गुरु	04/09/2056
	17/04/2004	मंगल	27/04/2019	राहु	17/10/2030	गुरु	29/08/2046	शनि	17/08/2057
मंगल	11/06/2004	राहु	13/11/2021	गुरु	23/09/2031	शनि	29/10/2049	बुध	23/06/2058
राहु	18/04/2007	गुरु	19/02/2024	शनि	01/11/2032	बुध	29/08/2052	केतु	29/10/2058
गुरु	29/10/2009	शनि	29/10/2026	बुध	29/10/2033	केतु	29/10/2053	शुक्र	29/10/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/10/2059		29/10/2069		29/10/2076		29/10/2094		30/10/2110	
29/10/2069		29/10/2076		29/10/2094		30/10/2110		00/00/0000	
चंद्र	29/08/2060	मंगल	27/03/2070	राहु	12/07/2079	गुरु	16/12/2096	शनि	02/11/2113
मंगल	30/03/2061	राहु	15/04/2071	गुरु	04/12/2081	शनि	30/06/2099	बुध	12/07/2116
राहु	29/09/2062	गुरु	20/03/2072	शनि	10/10/2084	बुध	06/10/2101	केतु	21/08/2117
गुरु	29/01/2064	शनि	29/04/2073	बुध	30/04/2087	केतु	11/09/2102	शुक्र	21/10/2120
शनि	29/08/2065	बुध	26/04/2074	केतु	17/05/2088	शुक्र	12/05/2105	सूर्य	03/10/2121
बुध	28/01/2067	केतु	23/09/2074	शुक्र	18/05/2091	सूर्य	01/03/2106	चंद्र	04/05/2123
केतु	30/08/2067	शुक्र	23/11/2075	सूर्य	11/04/2092	चंद्र	01/07/2107	मंगल	18/04/2124
शुक्र	29/04/2069	सूर्य	30/03/2076	चंद्र	11/10/2093	मंगल	06/06/2108		00/00/0000
सूर्य	29/10/2069	चंद्र	29/10/2076	मंगल	29/10/2094	राहु	30/10/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।